

असाधारण EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 109] नई बिस्ली, बुधवार, फरवरी 28, 1990/फाल्गुन 9, 1911 No. 109] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 28, 1990/PHALGUNA 9, 1911

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

यिक्त मंत्रालय
(द्याधिक कार्य विभाग)
(बैंकिंग प्रभाग)
ध्रिष्ठिसूचना
नर्य विल्ली, 20 फरकरी, 1990

का. था. 175(थ) '---राज्य वितीय निगम व्यथिनियम, 1951 (195) का 63) की धारा 4 की उप धारा (1) द्वारा प्रदम व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतर्द्रारा भारते. प्रीधीर्गक विकास

वैंक की डिकारिशी पर बिहार राज्य जिसीय निगम की प्राधिकृत पूँजी को एक सौ करोड़ एएए जक बढ़ाती है।

[एक सं. ५(४)/३७-आई एक.**।।**]

পে প. সংব∏হসপাছে প্ৰনাজ্ ু পুৰু জ্বা জ্বাড় তা হাখিল ড

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Itanking Division)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 20th February, 1990

S.O. 175 (F) .—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 1 of the State Financial Corporations Act, 1951 (63 of 1951), the Central Government, on the recommendation of the Industrial Development Bank of India, hereby increases the authorised capital of the Bihar State Financial Corporation to one hundred crores of rupees.

[F. No. 5 (4) 87-IF, 11]H. S. KUMAR, Dy. Sec.